राग - केदार

दो मध्यम अरु शुद्ध स्वर, मानत थाट कल्याण ।
'सं म' वादी संवादी सो, राग केदार बखान ।।

संक्षिप्त परिचय :-

थाट- कल्याण
वादी - म
संवादी - सा
जाति - औडव - षाडव
गायन समय - रात्रि का प्रथम प्रहर

आरोह - सा म, म प, ध प, नि ध सां
अवरोह - सां नि ध प, मं प ध प म, रे सा
पकड़ - सा मे, म प, मं प ध प म, रे सा
न्यास के स्वर - सा, म और प
समप्रकृति राग - हमीर और कामोद

प्रारम्भिक आलाप

1) सा, रे सा म, प, धपमे (म) रे सा, ध़ प़ सा, रे सा।
2) सा रे सा म, प, प प ध प, मं प ध ऽ नि ध प,
मं पधमे, सा ऽ म ऽ म प धपम (प) म ऽ रे सा

Scanned with CamScanner

3) म॑ प धऽ प, म॑ प म॑ प ध प, सा रे ग मऽऽ
ग पऽऽ म॑ प ध प, म॑ प ध नि॒ ध प, म॑ प ध
प म, प प सांऽऽ धपम॑ (म) प, ध प म, सा
मऽऽ म प, म॑ प म॑ पऽ म॑ म, प, म, रे सा।

4) (प) सांऽऽऽ रें सां, ध प म॑ प सांऽ रें सां, नि धऽ
नि सां, सां ध नि॒ ध प, म॑ प ध नि सां ध प,
प प सां रें सां ध प, म॑ प ध म, (म) रे सा ध़ प़ प़ सा

5) प प ध प म॑ प सांऽऽ रेंऽऽ सांऽऽ सांऽ मंऽ रेंऽ सां,
(मं) रें सां, रें सां ध प म॑ प ध नि सांऽ रें सां धऽ
प, सां ध नि॒ ध प, म॑ पम प ध प म, (सां) ध प म
(म) रे सा, ध़ प़ सा, रे सा।

Scanned with CamScanner